SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

बी. एड. प्रशिक्षण में प्रायोगिक कार्य के प्रति छात्राध्यापकों की मनोवति का अध्ययन

रेणुका शर्मा, शोधार्थी, **रविन्द्र गुलाबराजी भेंडे,** Ph.D., शिक्षा विभाग
देव संकृति विश्वविद्यालय, ग्राम–सांकरा (कुम्हारी), दुर्ग, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Authors
रेणुका शर्मा
रविन्द्र गुलाबराजी भेंडे, Ph.D.

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 02/12/2023
Revised on : -----
Accepted on : 09/12/2023
Plagiarism : 02% on 02/12/2023

शोध सार

प्रस्तुत शोध मे बी. एड. प्रशिक्षण में प्रायोगिक कार्य के प्रति छात्राध्यापको की मनोवृति का अध्ययन किया गया है। बी.एड. प्रशिक्षण मे छात्राध्यापको की मनोवृत्ति में कोई अन्तर नहीं पाया गया क्योंकि प्रशिक्षण के दौरान सभी को समान प्रशिक्षण शिक्षण दिया जाता है वही छात्र ध्यानपूर्वक समान दृष्टिकोण से सीखते भी है जिस कारण दोनो के मनोवृति में कोई अन्तर नही पाया गया। महाविद्यालय का वातावरण भी समान होता है तथा छात्राध्यापक प्रायोगिक कार्य के महत्व को भी अच्छी तरह समझते हैं।

मुख्य शब्द

बी.एड. प्रशिक्षण, प्रयोग, छात्र, मनोवृत्ति.

भूमिका

भारत में शिक्षण प्रशिक्षण का पाठ्यक्रम अधिकांश विश्वविद्यालयो मे लगभग समान है, जिसके अन्तर्गत प्रशिक्षण के सैद्धातिक व व्यवहारिक दोनो पक्षो को सम्मिलित किया जाता है। लेकिन देखा जाए तो शिक्षण कार्य सिद्धान्त की अपेक्षा व्यवहारिक अधिक होता है। विद्यालय में नियुक्ति होने पर जब प्रशिक्षणार्थी एक अध्यापक का रूप लेता है तो उसे सभी कार्य प्रायोगिक रूप में करने होते हैं। अतः शिक्षक प्रशिक्षण में प्रायोगिक पक्ष अधिक महत्व रखता है और प्रायोगिक पक्ष के अर्न्तगतः

1. प्रति छात्राध्यापको की अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2. बी.एड. प्रशिक्षण में उत्पादन कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3. बी.एड. प्रशिक्षण में सूक्ष्म–शिक्षण कार्य के प्रति

छात्राध्यापको की अभिवृति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

4. बी.एड. प्रशिक्षण में सामुदायिक कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
5. बी.एड प्रशिक्षण में पाठ्य सहगामी क्रिया–कलाप कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।
6. बी.एड प्रशिक्षण में मूल्यांकन कार्य प्रविधि के छात्राध्यापको की अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पना

$\mathbf{H_{01}}$ बी.एड. प्रशिक्षण में मनोवैज्ञानिक प्रयोग के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृति में कोई सार्थक अन्तर नही पाया जायेगा।

$\mathbf{H_{02}}$ बी.एड. प्रशिक्षण में शालेय अध्यापन कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृद्धि में कोई सार्थक अन्तर नही पाया जाएगा।

$\mathbf{H_{03}}$ बी.एड. प्रशिक्षण में उत्पादन कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृद्धि में कोई सार्थक अन्तर नही पाया जाएगा।

$\mathbf{H_{04}}$ बी.एड. प्रशिक्षण में सूक्ष्म–शिक्षण कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृति में कोई सार्थक अन्तर नही पाया जाएगा।

$\mathbf{H_{05}}$ बी.एड प्रशिक्षण में सामुदायिक कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृति में कोई सार्थक अन्तर नही पाया जाएगा।

$\mathbf{H_{06}}$ बी.एड प्रशिक्षण में पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृति में कोई सार्थक अन्तर नही पाया जाएगा।

$\mathbf{H_{07}}$ बी.एड प्रशिक्षण में मूल्यांकन प्राविधि कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृति में कोई सार्थक अन्तर नही पाया जाएगा।

सैद्धान्तिक तत्वों को व्यवहारिक रूप में प्रस्तुत करना सैद्धान्तिक ज्ञान का व्यवहार रूप में अपने शिक्षण में प्रयोग करने व्यापक प्रशिक्षण दिया जाता है।

समस्या कथन

बी. एड. प्रशिक्षण में प्रायोगिक कार्य के प्रति छात्राध्यापको की मनोवृति का अध्ययन।

मनोवत्ति

मनोवृति एक ऐसा शब्द है जिसका प्रयोग हम दिन–प्रतिदिन की जिन्दगी में हमेशा करते हैं। साधारण शब्दों में मनोवृति व्यक्ति के मन की एक विशिष्ट दशा होती है जिसके द्वारा वह समाज के विभिन्न परिस्थितियों वस्तुओं व्यक्तियो आदि के प्रति अपने विचार या मनोभाव रखते है। ऊंची जाति के लोग हरिजनों के प्रति एक विशिष्ट विचार रखते है तथा उसी तरह से विधवा विवाह तथा बालविवाह के प्रति लोग एक खास मनोभाव रखते हैं।

उद्देश्य

1. बी.एड. प्रशिक्षण में प्रायोगिक कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृति का मापन करना।
2. बी.एड. प्रशिक्षण में मनोवैज्ञानिक प्रयोग।
3. बी.एड. प्रशिक्षण में शालेय अध्ययन कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृति का मापन करना।

अध्ययन की परिसीमाएं

1. प्रस्तुत अध्ययन में रायपुर शहर के छः महाविद्यालयों का चयन किया गया है।

2. इस अध्ययन हेतु बी.एड. प्रशिक्षानार्थियो का चयन किया गया।
3. इस अध्ययन हेतु महाविद्यालय के छात्र–छात्राओ दोनो का चयन किया गया।

जनसंख्या

प्रस्तुत अध्ययन में जनसंख्या से आशय रायपुर शहर के बी.एड. महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र–छात्राओ से है।

न्यादर्श

इस अध्ययन में रायपुर शहर के बी.एड. महाविद्यालयों में से 120 छात्र– छात्राओ का चयन यादृच्छिक विधि से किया गया है।

चयनित न्यादर्श

तालिका क्रं. 1: बी.एड महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की न्यादर्श संख्या

क्रमांक	महाविद्यालय का नाम	छात्र	छात्रा	कुल
1	दिशा कॉलेज, रामनगर– कोटा रायपुर	10	10	20
2	महात्मा गांधी कालेज स्टेशन रोड रायपुर	10	10	20
3	प्रगति कॉलेज चौबे कॉलोनी रायपुर	10	10	20
4	आर आई टी कॉलेज ऑफ एजुकेशन रायपुर	10	10	20
5	दुर्गा महाविद्यालय मोहदा बाजार रायपुर	10	10	20
6	आदर्श कॉलेज रायपुर	10	10	20
	कुल	60	60	120

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

शोध विधि

इस शोध कार्य हेतु सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

उपकरण

इस शोध अध्ययन मे प्रदत्त संकलन हेतु स्वनिर्मित प्रश्नावली मनोवृति परीक्षण प्रपत्र शत्रुघन भोई एवं अमित भिंज (एम.एड. विद्यार्थी) द्वारा निर्मित उपकरण का प्रयोग किया गया है।

सांख्यिकी विधि

सांख्यिकी शोध का मूल आधार है। परिकल्पना के परीक्षण हेतु प्राप्त आंकडो का विश्लेषण किया जाता है इस हेतु आवश्यक सांख्यिकी जैसे मध्यमान प्रामाणिक विचलन और टी मूल्य आदि का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों की व्याख्या एवं विश्लेषण

प्रस्तुत शोध में बी. एड. प्रशिक्षणर्थियो में प्रायोगिक कार्य के प्रति मनोवृत्ति का अध्ययन स्वयं द्वारा निर्मित मनोवृति मापनी का प्रयोग किया गया है और प्राप्त अनुसंधान प्रदत्तों को व्यवस्थित कर मध्यमान ज्ञात किया गया है। प्राप्त मध्यान के आधार पर विभिन्न समूहों में विचलन के मात्राओं के मापन में भी सहायता मिलती है।

इसके द्वारा प्रमाणिक विचलन प्राप्त किया गया। प्राप्त प्रदत्तो में सार्थक अंतर की जाँच करने के लिए टी मूल्य परीक्षण ज्ञात किया गया है एवं परिकल्पनाओं की पुष्टि की गई है।

शोधकर्ता अपने अनुसंधान के परिणामों के संबंध में विवेचन के द्वारा शोध कार्य से संबंधित समस्याओं का उत्तर प्राप्त करता है। यदि प्राप्त निष्कर्ष से परिकल्पनाओं की पुष्टि होती है तब इसमें समस्या की ओर अपेक्षित संकेत होता है।

परिकल्पनाओं की पुष्टि

H_{01} बी. एड. प्रशिक्षण में प्रायोगिक कार्य के प्रति छात्राध्यापकों की अभिवृति में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रं. 2: बी. एड. प्रशिक्षण में प्रायोगिक कार्य के प्रति छात्राध्यापको की सांख्यिकी विश्लेषण

समुह	प्रदत्तों की संख्या	माध्य	SD	T
छात्राध्यापक	60	24.03	6.38	=6.805
छात्राध्यापिका	60	24.52	3.05	
df=118 p>0.05 सार्थक अंतर पाया गया				

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सारणी में बी.एड. प्रशिक्षण के छात्राध्यापकों तथा छात्राध्यापिका प्रशिक्षणार्थियों के आंकड़ो का मध्यमान 24.03 तथा 24.52 प्राप्त हुआ। प्रमाणिक विचलन 6.38 तथा 3.05 प्राप्त हुआ तथा टी मूल्य 6.805 प्राप्त हुआ। जो df =118 के 0.05 के सार्थक स्तर पर अंतर पया गया।

अतः परिकल्पना अस्वीकृत हुई। H_{01} बी. एड. प्रशिक्षण में मनोवैज्ञानिक परीक्षण के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृति में कोई अंतर नही पाया जाएगा।

तालिका क्रं. 3: बी. एड. प्रशिक्षण में मनोवैज्ञानिक परीक्षण के प्रति छात्राध्यापको की सांख्यिकी विश्लेषण

समुह	प्रदत्तों की संख्या	माध्य	SD	T
छात्राध्यापक	60	4.75	0.27	= 0.88
छात्राध्यापिका	60	4.83	0.29	
df=118 p>0.05 सार्थक अंतर नही पाया गया है				

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सारणी में बी.एड. प्रशिक्षण के छात्राध्यापकों तथा छात्राध्यापिका प्रशिक्षणार्थियों के आंकड़ो का मध्यमान 4.75 तथा 4.83 प्राप्त हुआ। प्रमाणिक विचलन 0.27 तथा 0.29 प्राप्त हुआ तथा टी मूल्य 0.88 प्राप्त हुआ। जो df=118 के 0.05 के सार्थक स्तर पर अंतर नही पाया गया।

अतः परिकल्पना अस्वीकृत हुई। H_{02} बी.एड प्रक्षिक्षण में शालेय अध्यापन कार्य के प्रति छात्राध्यापकों की अभिवृति में कोई अंतर नही पाया जाएगा।

तालिका क्रं. 4: बी.एड प्रक्षिक्षण में शालेय अध्यापन कार्य के प्रति छात्राध्यापकों की सांख्यिकी विश्लेषण

समुह	प्रदत्तों की संख्या	माध्य	SD	T
छात्राध्यापक	60	2.72	0.30	= 0.244
छात्राध्यापिका	60	292	0.11	
df=118 p>0.05 सार्थक अंतर है				

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सारणी में बी. एड. प्रशिक्षण के छात्राध्यापक और छात्राध्यापिका के शालेय अध्यापन कार्य के प्रति आँकड़ों का मध्यमान 2.72 तथा 2.92 प्राप्त हुआ। प्रमाणिक विचलन 0.30 तथा 0.11 प्राप्त हुआ तथा मूल्य 0.24 प्राप्त हुआ जो df=118 पर 0.05 सार्थक स्तर पर सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

अतः परिकल्पना स्वीकृत हुई। H_{03} बी.एड. प्रशिक्षण में उत्पादन कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृति में कोई अंतर नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रं. 5: बी.एड. प्रशिक्षण में उत्पादन कार्य के प्रति छात्राध्यापको की सांख्यिकी विश्लेषण

समुह	प्रदत्तों की संख्या	माध्य	SD	T
छात्राध्यापक	60	2.33	0.63	= 3.2
छात्राध्यापिका	60	2.25	0.78	
df=118 p>0.05 सार्थक अंतर पाया गया				

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सारणी में बी. एड. प्रशिक्षण उत्पादन कार्य के प्रति छात्राध्यापक और छात्राध्यापिका प्रशिक्षणार्थियों के आंकड़ो का मध्यमान आँकड़ों का मध्यमान 2.33 तथा 2.25 प्राप्त हुआ। प्रमाणिक विचलन 0.63 तथा 0.78 प्राप्त हुआ तथा t मूल्य 3.2 प्राप्त हुआ जो df=118 पर 0.05 सार्थक स्तर पर सार्थक अंतर नहीं पाया गया ।

अतः परिकल्पना अस्वीकृत हुई। H_{04} बी.एड. प्रशिक्षण में सूक्ष्म शिक्षण कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृति में कोई सार्थक नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रं. 6: बी.एड. प्रशिक्षण में सूक्ष्म शिक्षण कार्य के प्रति छात्राध्यापको का सांख्यिकी विश्लेषण

समुह	प्रदत्तों की संख्या	माध्य	SD	T
छात्राध्यापक	60	2.71	0.30	= 1.0465
छात्राध्यापिका	60	2.8	0.16	
df=118 p>0.05 सार्थक अंतर नही पाया गया				

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सारणी में बी. एड. प्रशिक्षण में सूक्ष्म शिक्षण कार्य के प्रति छात्राध्यापक और छात्राध्यापिका प्रशिक्षणार्थियों के आंकड़ो का मध्यमान 2.71 तथा 2.8 प्राप्त हुआ। प्रमाणिक विचलन 0.30 तथा 0.16 प्राप्त हुआ तथा t मूल्य 1.0465 प्राप्त हुआ जो df=118 पर 0.05 सार्थक स्तर पर सार्थक अंतर नहीं पाया गया ।

अतः परिकल्पना अस्वीकृत हुई। H_{05} बी.एड. प्रशिक्षण में सामुदायिक कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृति में कोई सार्थक नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रं. 7: बी.एड. प्रशिक्षण में सामुदायिक कार्य के प्रति छात्राध्यापको का सांख्यिकी विश्लेषण

समुह	प्रदत्तों की संख्या	माध्य	SD	T
छात्राध्यापक	60	2.9	1.09	=0.291
छात्राध्यापिका	60	2.9	1.09	
df=118 p>0.05 सार्थक अंतर नही पाया गया				

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सारणी में बी. एड. प्रशिक्षण में सामुदायिक कार्य के प्रति छात्राध्यापक और छात्राध्यापिका प्रशिक्षणार्थियों के आंकड़ो का मध्यमान 2.9 तथा 2.9 प्राप्त हुआ। प्रमाणिक विचलन 1.09 तथा 1.09 प्राप्त हुआ तथा टी मूल्य 0291 प्राप्त हुआ जो df=118 पर 0.05 सार्थक स्तर पर सार्थक अंतर नहीं पाया गया ।

अतः परिकल्पना स्वीकृत हुई। H_{06} बी.एड. प्रशिक्षण में पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप कार्य के प्रति छात्राध्यापको की अभिवृति में कोई सार्थक नहीं पाया जाएगा।

तालिका क्रं. 8: बी.एड. प्रशिक्षण में पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप कार्य के प्रति छात्राध्यापको का सांख्यिकी विश्लेषण

समुह	प्रदत्तों की संख्या	माध्य	SD	T
छात्राध्यापक	60	2.8	0.153	=1.6806
छात्राध्यापिका	60	2.9	0.063	
df=118 p>0.05 सार्थक अंतर नही है				

(स्त्रोतः प्राथमिक समंक)

उपरोक्त सारणी में बी. एड. प्रशिक्षण में पाठ्य सहगामी क्रियाकलाप कार्य के प्रति छात्राध्यापक और छात्राध्यापिका प्रशिक्षणार्थियों के आंकड़ो का मध्यमान 2.8 तथा 2.8 प्राप्त हुआ। प्रमाणिक विचलन 0.153 तथा 0.063 प्राप्त हुआ तथा टी मूल्य 1.6806 प्राप्त हुआ जो df=118 पर 0.05 सार्थक स्तर पर सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

अतः परिकल्पना स्वीकृत हुई।

निष्कर्ष

बी. एड. प्रशिक्षण में प्रायोगिक कार्य का महत्व स्वीकार करते हुए कोठारी कमीशन आयोग ने यह कहा कि प्रायोगिक कार्य के द्वारा छात्र में सभी गुणों का विकास होता है। शिक्षा की प्रक्रिया में शिक्षक प्रायोगिक कार्य को सीखकर छात्रों को शिक्षा देता है, तो छात्र उस ज्ञान को पाकर जीवन के अनेक क्षेत्र में कार्य करते है। प्रायोगिक कार्य से छात्रों में नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक तथा अनेक कौशल का विकास होता है। अतः प्रायोगिक कार्य बी. एड. प्रशिक्षण में मुख्य क्रियाकलाप के अंतर्गत रखा गया है।

अतः बी. एड. प्रशिक्षण में छात्राध्यापकों की मनोवृति में कोई अंतर नही पाया गया क्योंकि प्रशिक्षण के दौरान सभी को समान प्रशिक्षण, शिक्षण दिया जाता है। वही छात्र ध्यानपूर्वक समान दृष्टिकोण से सीखते भी है जिस कारण दोनों के मनोवृति में कोई अंतर नहीं पाया गया। महावि।लय का वातावरण भी समान होता है तथा छात्राध्यापक प्रयोगिक कार्य के महत्व को भी अच्छी तरह समझते है। अतः यह परिकल्पना स्वीकृत होती है।

संदर्भ सूची

1. अवल ए. (2013) *समावेशी शिक्षा के प्रति स्कूली शिक्षकों की मनोवृति,* Retrieve from www.academia.edu/5550670/Am of Secondary School Teacher Towards Inclusive eduvation.
2. कपिल एच. के. (1984) *अनुसंधान विधियाँ,* प्रकाशन हरप्रसाद 4/230 कचहरी घाट आगरा, पेज 40–50।
3. टोपिंग के एवं जिंदल डी (2013) Teacher Attitudes Towards Inclusion in High School Teacher and Teaching Theory and Practice 19 (5), 527_542 doi 10 1080/13540602.827361/
4. पराशर मं. (2014) शिक्षक शिक्षण में प्रायोगिक कार्य के प्रति छात्राध्यापकों की अभिरुचि का अध्ययन, *एडुसर्व* 5 (1)।
5. पाण्डेय रामशक्ल एवं मिश्रा क. (2006) *उदियमान भारतीय समाज में शिक्षक,* आगरा पब्लिकेशन पृ. 130 –35।
6. भटनागर अ भटनागर मी. भटनागर ए. बी. (2006) *अधिगमकर्ता का विकास एवं शिक्षण अधिगम प्रक्रिया,* आर लाल बुक डिपो गवर्नमेंट इंटरकॉलेज मेरठ।
7. भट्टाचार्य जी.सी. (2014) *अध्यापक शिक्षा,* श्री विनोद पुस्तक मंदिर आगरा–2 पृष्ठ 46–60, 439–458।
8. राय. पी. (1985) *अनुसंधान परिचय,* प्रकाशक लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा पृ. स. 290–298।
9. रायजादा बी.एस. (2011), *शिक्षा अनुसंधान के आवश्यक तत्व,* प्रकाशक राजस्थान, हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर, पृ.सं. 185–190।
10. साने एवं क्रिस्टोफर (2013) Secondary School teacher Attitude Towards Inclusive Education Australian Journal of Teacher Education Volume 38 Issue -4/
11. शर्मा आर. के एवं शर्मा एच.एस. (2010) *शिक्षा के दार्शनिक और सामाजशास्त्रीय आधार,* आगरा 2. राधा प्रकाशन पृष्ठ 11।
12. सक्सेना एन आर स्वरुप (2021) *शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजशास्त्रीय सिद्धांत,* सूर्य पब्लिकेशन आगरा पृष्ठ 29.87124।
13. सक्सैना एन आर स्वरूप (2016) *स्वरूप शिक्षा के दार्शनिक एवं सामाजशास्त्रीय आधार,* विनोद प्रकाशन आगरा 2 पृष्ठ 10–30।
14. हैदर एड. आई. (2008), विशेष आवश्यकता वाले छात्र के शिक्षक में पाकिस्तानी शिक्षकों की अभिवृति का अध्ययन।

****